खण्डेलवाल ने मोर्चा बैठकों में कार्यकर्ताओं से संगठन मजबूत करने का किया आह्वान

महिला सशक्तिकरण, जनजातीय विकास और पिछड़ा वर्ग तक सरकार की उपलब्धियां पहुंचाने पर जोर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में महिला मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा और पिछड़ा वर्ग मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारियों की बैठकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की बड़ी उपलब्धियों में विकास और महिला सशक्तिकरण प्रमुख हैं। पार्टी का लक्ष्य केवल महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना नहीं, बल्कि सक्षम महिला नेतृत्व तैयार करना है।

महिला मोर्चा की बैठक में श्री खण्डेलवाल ने कहा कि महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून बनाया गया है। मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया।

अनुसूचित जनजाति मोर्चा की बैठक में उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान जनजातीय समाज से भी जुड़ी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनजातीय समाज तक सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाने और उनकी संस्कृति व परंपराओं का सम्मान करते हुए काम करने को कहा।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक में श्री खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा ने मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग से चार मुख्यमंत्री दिए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियां बताने तथा युवाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर महिला मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित रहे। महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने जवानों के लिए बनाई राखियां भी प्रदेश अध्यक्ष को सौंपीं।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया की तिथियां बढ़ाई गईं

नप्र, भोपाल : उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एनसीटीई के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के द्वितीय अतिरिक्त चरण की समय-सारणी में संशोधन किया है। विभाग ने विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त अवसर प्रदान किया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीयन और आवेदन प्रक्रिया 30 अगस्त तक जारी रहेगी। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 31 अगस्त तक किया जाएगा। इसके बाद 1 सितंबर को मेरिट सूची जारी की जाएगी और 2 सितंबर को सीट आवंटन किया जाएगा। सीट आवंटित होने वाले विद्यार्थियों को 2 से 7 सितंबर तक निर्धारित हेल्प सेंटर पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

रहवासी क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के विरोध में भोपाल चैंबर करेगा प्रार्थना सभा

- मिंटो हॉल में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने जुटेंगे व्यापारी
- स्थायी समाधान की मांग

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई के विरोध में व्यापारी बुधवार को प्रार्थना सभा करेंगे। भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने यह सभा आयोजित की जाएगी।

इस संबंध में सोमवार को भोपाल चैंबर के पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें व्यापारियों की समस्याओं और उनके स्थायी समाधान को लेकर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि बुधवार सुबह 11 बजे चैंबर के अध्यक्ष गोविंद गोयल के नेतृत्व में व्यापारी संगठन के पदाधिकारी मिंटो हॉल परिसर पहुंचेंगे। यहां सामूहिक रूप से रामधुन का गायन कर महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रार्थना की जाएगी। व्यापारियों का कहना है कि रहवासी क्षेत्रों में कारोबार को लेकर चल रही कार्रवाई का स्थायी समाधान निकाला जाना चाहिए। नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में व्यापारी पहले भी प्रदर्शन कर चुके हैं।

वहीं, रहवासी संघों की ओर से भी व्यावसायिक गतिविधियों का विरोध किया जा रहा है। शनिवार को गुलमोहर कॉलोनी में टॉर्च लाइट रैली निकाली गई थी। इससे पहले सात नंबर मार्केट में भी रैली आयोजित की गई थी। रहवासियों का कहना है कि आवासीय क्षेत्रों में किसी भी स्थिति में व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

नगर निगम द्वारा भवनों से जुड़े अन्य उल्लंघनों की भी जांच की जा रही है। मुख्य मार्गों के दोनों ओर, उनसे जुड़ी गलियों, नदी-तालाब किनारे, ग्रीन बेल्ट, बफर जोन और कैचमेंट एरिया में बने भवनों का सर्वे किया जा रहा है। अवैध मैरिज गार्डन को भी नोटिस दिए जाएंगे।

सवा लाख पान और 1100 रुद्राक्ष से हुआ भगवान शिव का विशेष श्रृंगार

नप्र, भोपाल : श्रावण मास के अंतिम प्रदोष की संध्या पर अरेरा कॉलोनी स्थित मध्यस्वामी मलाई मंदिर, कांचीमठ में भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया गया। भगवान शिव का श्रृंगार लगभग सवा लाख पान और 1100 रुद्राक्ष से किया गया। इस दिव्य आयोजन में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के विशेष स्वरूप के दर्शन किए। वैदिक पंडित एएस रामनाथ शास्त्री के मार्गदर्शन में श्रृंगार में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर अनशन कर रहे अभ्यर्थी को ले गई पुलिस

- प्रदर्शनकारियों ने कहा- आंदोलन जारी रहेगा
- नरेंद्र राजपूत के स्वास्थ्य को लेकर जताई चिंता
- नर्सिंग छात्रों का आंदोलन भी जारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः शिक्षक भर्ती वर्ग-2 और वर्ग-3 के पदों में वृद्धि की मांग को लेकर अनशन कर रहे अभ्यर्थी नरेंद्र राजपूत को मंगलवार को पुलिस धरना स्थल से अपने साथ ले गई। आंदोलन से जुड़े लोगों के अनुसार, नरेंद्र को हमीदिया अस्पताल ले जाने की जानकारी मिली है।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि नरेंद्र को ले जाने के बाद आंदोलन समाप्त नहीं होगा, बल्कि इसे और तेज किया जाएगा। उन्होंने अन्य अभ्यर्थियों से बड़ी संख्या में धरना स्थल पर पहुंचने की अपील की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि नरेंद्र के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है और प्रशासन की ओर से स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है।

नरेंद्र राजपूत को एंबुलेंस से ले जाने के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच बहस भी हुई। सामने आए वीडियो में अभ्यर्थी पुलिस से नरेंद्र को कहां ले जाने की जानकारी मांगते और एंबुलेंस रोकने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि एंबुलेंस के पास हुए हंगामे के दौरान श्याम बाबा की तस्वीर को पुलिसकर्मी के पैर से चोट लगी। इसके बाद उन्होंने विरोध जताते हुए नारेबाजी की।

आंदोलन से जुड़े लोगों ने साथियों से धरना स्थल पर पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने नरेंद्र के स्वास्थ्य और इलाज की स्थिति की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है।

इधर, नर्सिंग छात्रों का आंदोलन भी जारी है। छात्र परीक्षा, रिजल्ट, डिग्री, रजिस्ट्रेशन और छात्रवृत्ति सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

टीईटी पर विशेष संकल्प पारित करने की मांग

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः कर्मचारी चयन मंडल द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के बीच शासकीय शिक्षक संगठन ने मध्यप्रदेश सरकार से विधानसभा में विशेष संकल्प पारित करने की मांग की है। संगठन ने कहा है कि तमिलनाडु की तर्ज पर टीईटी के संबंध में विधानसभा में प्रस्ताव लाकर उसे सर्वसम्मति से पारित किया जाए और आवश्यक संशोधन के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाए। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने कहा कि 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को उनकी पूर्व नियुक्ति, सेवा अवधि और उस समय लागू नियमों को ध्यान में रखते हुए टीईटी से स्थायी छूट दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे शिक्षकों की नौकरी, पदोन्नति और अन्य सेवा लाभ किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होने चाहिए। इसके लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई एक्ट) की धारा 23 में आवश्यक संशोधन की मांग मध्यप्रदेश विधानसभा को केंद्र सरकार से करनी चाहिए। यह मामला हजारों शिक्षकों के भविष्य और सेवा अधिकारों से जुड़ा है, इसलिए इसे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर देखा जाना चाहिए। उपेंद्र कौशल ने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने इस दिशा में पहल की है। अब मध्यप्रदेश को भी विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजना चाहिए, ताकि लंबे समय से सेवा में कार्यरत शिक्षकों को टीईटी से जुड़ी समस्याओं से स्थायी राहत मिल सके।

1,21,111 पार्थिव शिवलिंग निर्माण और रुद्राभिषेक कार्यक्रम का समापन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः शिवा रॉयल पार्क फेस-2, सलैया स्थित श्री मंशापूर्ण महादेव मंदिर धाम में आयोजित 22 दिवसीय 1,21,111 पार्थिव शिवलिंग निर्माण, रुद्राभिषेक और भंडारा कार्यक्रम का समापन हुआ।

यह धार्मिक आयोजन 3 अगस्त से 24 अगस्त तक श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सलैया, कोलार, मिसरोद, बावड़िया और कटारा हिल सहित भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण, भगवान महादेव के रुद्राभिषेक और भंडारे में सहभागिता की। आयोजन के बाद पार्थिव शिवलिंगों का विसर्जन बुधनी, नर्मदापुरम में किया गया। आयोजक प्रताप सिंह यादव ने आयोजन की सफलता के लिए श्रद्धालुओं, सहयोगियों, संत-महात्माओं, पंडितों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज को आध्यात्मिकता, सेवा और सनातन संस्कृति से जोड़ने का प्रयास था। उन्होंने भविष्य में भी धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के माध्यम से सेवा व संस्कार की भावना को मजबूत करने की बात कही।

राज्यमंत्री राधा सिंह ने भोपाल हाट के राखी मेले का किया भ्रमण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने भोपाल हाट में आयोजित स्व-सहायता समूहों के सात दिवसीय राखी मेले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आईं स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके द्वारा तैयार उत्पादों की जानकारी ली और सामग्री की खरीदारी कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय निगम ने राज्यमंत्री को मेले की गतिविधियों और विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कराया। श्रीमती सिंह ने समूहों द्वारा तैयार राखियों, मिठाइयों, हस्तनिर्मित वस्त्रों, सजावटी सामग्री और पारंपरिक खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की सराहना की।

उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और कुशल उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह सात दिवसीय मेला 20 से 26 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें खरीदारी के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जा रही हैं। इस अवसर पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

संवेदनशील न्याय प्रणाली विकसित करने का आह्वान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः महिला सुरक्षा और न्याय व्यवस्था को अधिक संवेदनशील एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग और जनसाहस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'सर्वाइवर सेंट्रिक स्ट्रेटजी एवं जस्टिस' विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

इसमें पुलिस, विधिक सेवा, चिकित्सा, बाल संरक्षण और महिला सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने पीड़ित महिलाओं को समग्र सहायता उपलब्ध कराने पर मंथन किया। कार्यशाला में कहा गया कि महिला हिंसा से जुड़े मामलों में पीड़िता को केवल एक प्रकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक

व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। उसकी सुरक्षा, गरिमा, गोपनीयता, मानसिक स्वास्थ्य, कानूनी सहायता और सम्मानजनक पुनर्वास को प्राथमिकता देने वाली व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया।

महिला आयोग की सदस्य साधना स्थापक ने कहा कि महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है। उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता बढ़ाने और प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता बताई।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष निवेदिता शर्मा ने कहा कि महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में संवेदनशील सुनवाई और पुनर्वास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। वहीं विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव सुमन श्रीवास्तव ने पीड़ितों की वास्तविक जरूरतों के अनुसार सहायता उपलब्ध कराने की बात कही।

जनसुनवाई में पहुंचीं सौ से अधिक शिकायतें

- लाड़ली बहना की राशि, प्लॉट विवाद और मूलभूत सुविधाओं को लेकर नागरिकों ने रखी समस्याएं

नप्र, भोपाल : कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई शिविर में 100 से अधिक शिकायतें पहुंचीं। इसमें लाड़ली बहना योजना की राशि नहीं मिलने, प्लॉट विवाद, स्कूल से बच्चों को निकालने और सड़क, पानी, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं शामिल रहीं।

छोला निवासी प्रेमनारायण ने प्लॉट विवाद की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में एक बिल्डर से प्लॉट खरीदा था और दो किस्तों में एक लाख रुपए जमा किए थे। पहले उन्हें 160 नंबर का प्लॉट दिया गया, बाद में 159 नंबर कर दिया गया। इसके बाद न तो जमीन की रजिस्ट्री हुई और न ही राशि वापस मिली। उन्होंने बताया कि पिछले छह वर्षों में पुलिस शिकायत सहित कई जगह शिकायतें दर्ज कराई हैं, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ।

जनसुनवाई में ललिता सहित कई लोग लाड़ली बहना योजना की राशि नहीं मिलने की शिकायत लेकर पहुंचे। ललिता ने बताया कि पिछले छह महीने से उन्हें योजना की राशि नहीं मिल रही है। उन्होंने दूसरी बार जनसुनवाई में शिकायत की है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। शिविर में कई नागरिकों ने कॉलोनियों में सड़क, पेयजल और बिजली जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने की शिकायत की। नगर निगम, सहकारी विभाग और सभी एसडीएम ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

वहीं, नाजिया हसीब ने शिकायत की कि ईस्टर्न पब्लिक स्कूल ने आठ बच्चों को बिना उचित कारण स्कूल से निकाल दिया। उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर वे दो महीने से सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं मिला है।

मध्यप्रदेश में निवेश को मिल रही रफ्तार

दिल्ली-अहमदाबाद रोड शो से मिले 13 हजार करोड़ के प्रस्ताव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में निवेश का महाभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में उद्योगों की स्थापना और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित करते हुए निवेश गतिविधियों की जानकारी दी।

उन्होंने ने बताया कि दिल्ली में आयोजित रोड शो के दौरान ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन के लिए करीब 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। वहीं अहमदाबाद रोड शो में 8 हजार 635 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने बताया कि जुलाई में आदित्य टेक्नो कंपनी और लियोन इंडिया के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास किया गया। इसके अलावा पीथमपुर में 850 करोड़ रुपये लागत की दो नई इंडस्ट्रीज शुरू की गई हैं।

डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है। विदिशा के युवा उद्यमी वैभव जैन की अंतरिक्ष तकनीक क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनी भी सैटेलाइट लॉन्चिंग की तैयारी कर रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के बाद नालों के प्रवाह को सुचारु बनाने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने किसानों की फार्मर आईडी बनाने के लिए चल रहे विशेष अभियान में जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की। साथ ही मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान को सफल बताते हुए शिविरों के बेहतर संचालन के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सितंबर में विभागीय उपलब्धियों और योजनाओं की समीक्षा के लिए दो दिवसीय चिंतन शिविर आयोजित करने की बात भी कही।

एनएसएस के प्रथम उन्मुखीकरण और राष्ट्रीय सद्भावना दिवस का आयोजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से प्रथम उन्मुखीकरण कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय सद्भावना दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। अतिथियों डॉ. प्रतिमा यादव और डॉ. कविता सिंह का तिलक, बैज एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। नवप्रवेशित स्वयंसेवकों का भी तिलक लगाकर और एनएसएस बैज पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर लक्ष्य गीत की प्रस्तुति दी गई। राष्ट्रीय सद्भावना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक समरसता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। स्वयंसेवकों ने जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्र की एकता और सद्भाव बनाए रखने की प्रतिज्ञा ली।

कार्यक्रम में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एनएसएस

इकाई की यात्रा, अवसरों और उपलब्धियों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 150 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना सोनी और डॉ. वर्षा धाकड़ सहित डॉ. प्रतिमा यादव, डॉ. कविता सिंह और डॉ. भावना रमैया उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मंथन *मिशन कर्मयोगी बनें, के तहत उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण ढांचे पर हुआ मंथन...*

विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा से विकसित भारत का मार्ग होगा प्रशस्त

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षा व्यवस्था का मुख्य केंद्र विद्यार्थी होना चाहिए और उच्च शिक्षा में होने वाला हर परिवर्तन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

मंत्री परमार ने मंत्रालय में 'कर्मयोगी बनें' के अंतर्गत क्षमता निर्माण योजना को लेकर आयोजित बैठक में कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व, संस्कार,

नैतिक मूल्यों और जीवन दृष्टि के निर्माण का माध्यम है। विद्यार्थियों को रोजगार और कौशल के लिए सक्षम बनाने के साथ उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाएं विकसित करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में अग्रणी राज्यों में है। प्रदेश में उच्च शिक्षा में 'मिशन कर्मयोगी बनें' की भावना को शामिल करते हुए क्षमता निर्माण का व्यापक ढांचा तैयार किया जा रहा है। इसके लिए प्राध्यापकों, शिक्षाविदों और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों के सुझाव लिए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए शिक्षा को ज्ञान, कौशल, रोजगार, अनुसंधान और नवाचार के साथ नैतिकता व संस्कारों से जोड़ना जरूरी है। बैठक में शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासन, डिजिटल दक्षता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भारतीय ज्ञान परंपरा, कौशल आधारित शिक्षा और बहुविषयक शिक्षा जैसे विषयों पर सुझाव प्राप्त किए गए। बैठक में विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, कुलसचिव, प्राचार्य और प्राध्यापकों की सहभागिता रही।